राजनीतिक-धार्मिक आंदोलन, जिन्हें धार्मिक-राजनीतिक आंदोलन भी कहा जाता है, सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन हैं जो धार्मिक मान्यताओं से प्रेरित होते हैं और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भागीदार होते हैं। ये आंदोलन अक्सर अपने धार्मिक सिद्धांतों के आधार पर सरकारी नीतियों, कानूनों और सामाजिक मानदंडों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। जबकि राजनीतिक-धार्मिक आंदोलनों के लक्ष्य और विचारधाराएं व्यापक रूप से भिन्न होती हैं, वे धार्मिक और राजनीतिक उद्देश्यों के संयोजन की एक सामान्य विशेषता साझा करते हैं। यहां ऐसे आंदोलनों के कुछ उल्लेखनीय उदाहरण और विशेषताएं दी गई हैं:

- हिंदुत्व आंदोलन (भारत): भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जैसे समूहों से जुड़े हिंदुत्व आंदोलन का उद्देश्य हिंदू राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना है। यह भारत को केवल हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करना चाहता है और इसने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- ईसाई अधिकार (संयुक्त राज्य अमेरिका): संयुक्त राज्य अमेरिका में, ईसाई अधिकार एक राजनीतिक रूप से सक्रिय आंदोलन है जो विभिन्न क्षेत्रों में रूढ़िवादी ईसाई मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है, जिसमें गर्भपात का विरोध, एलजीबीटीक्यू+ अधिकार और सार्वजनिक स्कूलों में प्रार्थना की वकालत करना शामिल है। मोरल मेजोरिटी जैसे प्रमुख संगठन इस आंदोलन से जुड़े हुए हैं।
- इस्लामी राजनीतिक आंदोलन: मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड, फिलिस्तीन में हमास और भारत में अखिल भारतीय मुस्लिम महासभा जैसे विभिन्न इस्लामी राजनीतिक आंदोलनों का उद्देश्य इस्लामी शासन को बढ़ावा देना और शरिया कानून के कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।
- सिख राजनीतिक आंदोलन (भारत): भारत में सिख राजनीतिक आंदोलनों, विशेष रूप से खालिस्तान आंदोलन, ने सिख धार्मिक सिद्धांतों के आधार पर एक अलग सिख राज्य, खालिस्तान स्थापित करने की मांग की है।
- बौद्ध राष्ट्रवाद (म्यांमार): म्यांमार में, कुछ बौद्ध भिक्षुओं के नेतृत्व में एक राजनीतिक-धार्मिक आंदोलन चल रहा है जो रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ हिंसा सहित जातीय-धार्मिक संघर्ष में शामिल रहा है।
- राजनीतिक यहूदी धर्म (इज़राइल): इज़राइल में, धार्मिक फोकस वाले राजनीतिक दल, जैसे शास और यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्म, देश की राजनीति और सरकार में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, रूढ़िवादी यहूदी सिद्धांतों पर आधारित नीतियों की वकालत करते हैं।
- धार्मिक राजनीतिक दल (पाकिस्तान): पाकिस्तान में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई) और जमात-ए-इस्लामी जैसे कई धार्मिक-राजनीतिक दल हैं, जो इस्लामी सिद्धांतों को बढ़ावा देते हैं और तदनुसार सरकारी नीतियों को प्रभावित करना चाहते हैं।
- धार्मिक राष्ट्रवाद (इज़राइल और भारत): इज़राइल और भारत में धार्मिक राष्ट्रवादी आंदोलनों, जैसे कि ज़ायोनीवाद और हिंदुत्व, का उद्देश्य धार्मिक पहचान और सिद्धांतों के आधार पर एक राष्ट्र-राज्य स्थापित करना है।
- अंतरधार्मिक आंदोलन: कुछ राजनीतिक-धार्मिक आंदोलन अंतरधार्मिक सहयोग और सार्वजनिक नीति में धार्मिक मूल्यों को शामिल करने की वकालत करते हैं। ये आंदोलन अक्सर सामाजिक न्याय, मानवीय कारणों और शांति प्रयासों की दिशा में काम करते हैं।

हालाँकि इन आंदोलनों के विविध लक्ष्य और रणनीति हो सकते हैं, वे धर्म और राजनीति के बीच संबंध, धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्ष शासन के बीच संतुलन और धार्मिक पहचान के आधार पर संघर्ष की संभावना के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन आंदोलनों में प्रभाव और प्रभाव की अलग-अलग डिग्री हो सकती है, और सरकार और समाज के साथ उनकी बातचीत व्यापक रूप से भिन्न हो सकती है।